हिन्दुस्तान

अति पिछड़ा वर्ग के 50 लाख छात्रों को मिली छात्रवृत्ति

- वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन्हें दिये गए 786 करोड़ रुपये
- विभाग ने कहा, छात्रवृत्ति से विद्यार्थियों ने पढ़ाई जारी रखी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो । बिहार सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं से वित्तीय वर्ष 2024-25 में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के करीब 50 लाख छात्र-छात्राओं को 786 करोड़ रुपये दिये गए हैं।

शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अनुसार, राज्य के पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और प्रोत्साहन के लिए चलाई जा रही विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इन योजनाओं से लाखों छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में करीब 48 लाख 94 हजार विद्यार्थियों को लाभ मिला है। इन विद्यार्थियों को कुल 598 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है, जिससे उन्हें अपनी प्री-मैट्रिक शिक्षा जारी रखने में सहायता मिली है। वहीं, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना-2023 के तहत मैट्रिक के बाद की पढ़ाई कर रहे 2 लाख 43 हजार छात्रों को 2023-24 में कुल 126 करोड़ दिये गए हैं। इससे पहले 2022-23 में करीब तीन लाख छात्रों को करीब 160 करोड़ रुपये दिये गए थे। वहीं, मुख्यमंत्री अत्यंत पिछड़ा वर्ग मेधावृत्ति योजना के तहत अत्यंत पिछड़े वर्ग के मेधावी 1 लाख 10 हजार छात्र-छात्राओं को 2024-25 में आर्थिक सहायता दी गई है। इनमें करीब 49 हजार बालिकाएं और 61 हजार बालक शामिल हैं। इन मेधावी विद्यार्थियों को कुल 110 करोड़ रुपये दिये गए हैं। मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग मेधावृत्ति योजना के तहत 2024-25 में लगभग 77 हजार लाभार्थियों को कुल 77 करोड़ दिये गए हैं।